अनमोल वचन

पंकज कुमार गर्ग
वैज्ञानिक - ब

* शिक्षा से बढ़कर कोई चिकित्सक नहीं, और साधना से बढ़कर कोई दवा नहीं ।
हवाचिंग हो
* मनुष्य को तो अपने कर्मो का फल भुगतना पड़ता है, चाहे आज, चाहे कल, कर्मफल से मुक्ति सम्भव है ।
रामकृष्ण परमहंस
* मूर्ख लोग अधर्म भी धर्म कहकर करते हैं । श्रीमद्भागवत
* काम की अधिकता से नहीं, आदमी उसे भार समझकर अनियमित रूप से करने पर थकता है।
पं० श्री राम शर्मा आचार्य
* लोग नाना प्रकार के दुख भोग रहे हैं, कि अधिकांश समाज धर्महीन जीवन व्यतीत कर रहा है।
टालस्टॉय
* न्यायधीश में चार बातें होनी चाहिए - शिष्टापूर्वक सुनना, बुद्धिमत्तापूर्ण उत्तर देना, गम्भीर होकर विचार करना, और निष्पक्ष होकर न्याय करना ।
सुकरात
* जिसके पास बुद्धि है, उनके पास बल है । पंचतन्त्र
* मूर्ख सब जगह मिलेंगें, यहाँ तक की पागल खाने में भी । श्रीमद्भागवत
* ह्रदय खोलकर मिलने वाले बड़े भाग्य से मिलते हैं । जयशंकर प्रसाद
* जिस क्षण मैं उसे मित्र बना लेता हूँ, मेरा शत्रु समाप्त हो जाता है । अब्राहम लिंकन
* जो व्यक्ति सत परामर्श को धैर्य से सुनता, स्वीकारता है और अपना दुराग्रह छोड देता है, संसार उसके पीछे चलता है । महाभारत
* जब दृढ़ता पर्याप्त है, तो उतावलापन अनावश्यक है । नेपोलियन
* हाथ, मस्तिष्क और ह्रदय के सांमजस्य से ललित कला का जन्म होता है ।
रस्किन
* बारह ज्ञानी एक घन्टे में जितने प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं, उससे कहीं अधिक प्रश्न एक मूर्ख व्यक्ति एक मिनट में पूछ सकता है ।
लेनिन